डूंगरपुर। जिले के अंबाड़ा गांव में आदिवासी पशुपालकों को बकरे व मेंढ़ों के वितरण समारोह को संबोधित करती सागवाड़ा विधायक अनिता कटारा।

अंबाड़ा के आदिवासी पशुपालकों को मिली सौगात

गरीब पशुपालकों के लिए वरदान है परियोजना : अनिता

आजीविका संवर्धन के लिए बकरों और मेड़ों का हुआ निःशुल्क वितरण

डूंगरपुर। जनजाति अंचल के आदिवासी पशुपालकों के लिए शुक्रवार का दिन कुछ खास ही रहा जब उन्हें केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर की ओर से भेड़ व बकरी उत्पादन के माध्यम से आजीविका में सुधार की दृष्टि से बकरों और मेड़ों का निःशुल्क वितरण किया गया। जनजाति उपयोजना क्षेत्र के लिए खास तौर पर इस परियोजना के तहत जिले के सागवाड़ा उपखण्ड क्षेत्र के अंबाड़ा गांव में 39 काश्तकारों को बकरों व मेड़ों का वितरण किया गया।

डूंगरपुर। जिले के अंबाड़ा गांव में आदिवासी पशुपालकों को बकरों का वितरण करती सागवाड़ा विधायक अनिता कटारा और अन्य अतिथि। समारोह में मौजूद काश्तकार।

विधायक कटारा ने कहा ...

अंबाड़ा गांव में आयोजित हुए समारोह की मुख्य अतिथि सागवाड़ा विधायक श्रीमती अनिता कटारा ने अपने संबोधन में कहा कि यह परियोजना आदिवासी अंचल के गरीब पशुपालकों के लिए वरदान है और इसके माध्यम से पशुपालक आजीविका को बढ़ा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र के काश्तकारों को इस प्रकार की परियोजना के माध्यम से लाभांवित करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार गरीब काश्तकारों व पशुपालकों के उत्थान का प्रयास कर रही है ऐसे में ग्रामीणों को चाहिए कि वे इस प्रकार के प्रयासों का पूरा-पूरा लाभ उठावें व क्षेत्रीय विकास की सरकार की मंशा को पूरा करें। उन्होंने मौजूद ग्रामीणों को राज्य सरकार की विभिन्न लोकहितकारी योजनाओं की भी जानकारी दी और इसका लाभ उठाने का आह्वान किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एम.के.नकवी ने परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि (शेष पृष्ठ 5 पर)

अंबाड़ा के...(शेष पृष्ठ 8 का)

जनजाति अंचल की आवश्यकताओं को देखते हुए इस परियोजना के तहत पशुओं की नस्ल के सुधार में सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने इस अंचल में इस प्रकार के कार्यों की अपार संभावनाएं भी बताई और कहा कि एक्सपोजर विजीट के माध्यम से भी यहां के पशुपालकों को पशुपालन की उन्नत प्रविधियों के बारे में जानकारी प्रदान करने की भी योजना है।

बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर सुरेन्द्र कुमार सोलंकी ने कहा कि आदिवासी अंचल के पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन के आधार के रूप में इस परियोजना से पशुओं की नस्ल सुधार का प्रयास किया जा रहा है और इसका दूरगामी परिणाम बेहतर होंगे। उन्होंने संस्थान के माध्यम से भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों से इस अंचल की जनता को अधिकाधिक लाभ दिलाने का आह्वान किया।

इस मौके पर सागवाड़ा उपखण्ड अधिकारी गोपालसिंह शेखावत, गलियाकोट विकास अधिकारी राजूराम, जिला परिषद सदस्य गिरीश पाटीदार, समाजसेवी कमलकिशोर व्यास, रमेशचंद, प्रताप कलाई आदि बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन थे। समारोह का संचालन डॉ. रूपचंद एवं एस.एल सिसोदिया ने किया।

लॉटरी के माध्यम से मिली सौगात : वाग्देवी सरस्वती की छवि के सम्मुख दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से प्रारंभ हुए समारोह में अतिथियों ने लॉटरी के माध्यम से 10 आदिवासी पशुपालकों को बकरे, 19 पशुपालकों को मेंढ़े व 10 विधवा पशुपालकों को मेंढ़ों का वितरण किया। समारोह में 200 पशुपालकों को मेडिकल किट, 250 को मिनरल मिक्सचर, 50-50 किलो दाने और फलदार पौधों का भी वितरण किया गया। समारोह में अतिथियों ने फलदार पौधों का रोपण भी किया।

ओजोन परत...(शेष पृष्ठ 8 का)

वागड़दूत
VAGAD DOOT
■ उदयपुर ■ बांसवाड़ा ■ चित्तौड़गढ़ ■ राजसमंद ■ प्रतापगढ़ ■

शनिवार 17 सितम्बर

अम्बाडा के आदिवासी पशुपालकों को मिली सौगात

आजीविका संवर्धन के लिए बकरों और भेड़ो का हुआ निःशुल्क वितरण

जिले के अंबाड़ा गांव में आदिवासी पशुपालकों को बकरे व मेंढ़ों के वितरण समारोह को संबोधित करती सागवाड़ा विधायक अनिता कटारा एवं आदिवासी पशुपालकों को बकरों का वितरण करती सागवाड़ा विधायक अनिता कटारा और अन्य अतिथि। समारोह में मौजूद काश्तकार।

डूंगरपुर। जनजाति अंचल के आदिवासी पशुपालकों के लिए शुक्रवार का दिन कुछ खास ही रहा जब उन्हें केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर की ओर से भेड़ व बकरी उत्पादन के माध्यम से आजीविका में सुधार की दृष्टि से बकरों और मेड़ों का निःशुल्क वितरण किया गया। जनजाति उपयोजना क्षेत्र के लिए खास तौर पर इस परियोजना के तहत जिले के सागवाड़ा उपखण्ड क्षेत्र के अंबाड़ा गांव में 39 काश्तकारों को बकरों व मेड़ों का वितरण किया गया।

गरीब पशुपालकों के लिए वरदान है परियोजनाः कटारा

आज सुबह अंबाड़ा गांव में आयोजित हुए समारोह की मुख्य अतिथि सागवाड़ा विधायक श्रीमती अनिता कटारा ने अपने संबोधन में कहा कि यह परियोजना आदिवासी अंचल के गरीब पशुपालकों के लिए वरदान है और इसके माध्यम से पशुपालक आजीविका को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के काश्तकारों को इस प्रकार की, परियोजना के माध्यम से लाभांवित करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार गरीब काश्तकारों व पशुपालकों के उत्थान का प्रयास कर रही है ऐसे में ग्रामीणों को चाहिए कि वे इस प्रकार के प्रयासों का पूरा-पूरा लाभ उठावें व क्षेत्रीय विकास की सरकार की मंशा को पूरा करें। उन्होंने मौजूद ग्रामीणों को राज्य सरकार की विभिन्न लोकहितकारी योजनाओं की भी जानकारी दी और इसका लाभ उठाने का आह्वान किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एम.के.नकवी ने परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि जनजाति अंचल की आवश्यकताओं को देखते हुए इस परियोजना के तहत पशुओं की नस्ल के सुधार में सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने इस अंचल में इस प्रकार के कार्यों की अपार संभावनाएं भी बताई और कहा कि एक्सपोजर विजीट के माध्यम से भी यहां के पशुपालकों को पशुपालन की उन्नत प्रविधियों के बारे में जानकारी प्रदान करने की भी योजना है।

बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर सुरेन्द्र कुमार सोलंकी ने कहा कि आदिवासी अंचल के पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन के आधार के रूप में इस परियोजना से पशुओं की नस्ल सुधार का प्रयास किया जा रहा है और इसका दूरगामी परिणाम बेहतर होंगे। उन्होंने संस्थान के माध्यम से भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों से इस अंचल की जनता को अधिकाधिक लाभ दिलाने का आह्वान किया।

इस मौके पर सागवाड़ा उपखण्ड अधिकारी गोपालसिंह शेखावत, गलियाकोट विकास अधिकारी राजूराम, जिला परिषद सदस्य गिरीश पाटीदार, समाजसेवी कमलकिशोर व्यास, रमेशचंद्र, प्रताप बलाई आदि बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन थे। समारोह का संचालन डॉ. रूपचंद एवं एस.एल सिसोदिया ने किया।

लॉटरी के माध्यम से मिली सौगातः

वाग्देवी सरस्वती की छवि के सम्मुख दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से प्रारंभ हुए समारोह में अतिथियों ने लॉटरी के माध्यम से 10 आदिवासी पशुपालकों को बकरे, 19 पशुपालकों को मेड़े व 10 विधवा पशुपालकों को मेड़ों का वितरण किया। समारोह में 200 पशुपालकों को मेडिकल किट, 250 को मिनरल मिक्सचर, 50-50 किलो दाने और फ्लदार पौधों का भी वितरण किया गया। समारोह में अतिथियों ने फ्लदार पौधों का रोपण भी किया।

अंबाड़ा के आदिवासी पशुपालकों को मिली सौगात

आजीविका संवर्धन के लिए बकरों और मेड़ों का निःशुल्क वितरण

डूंगरपुर 16 सितंबर। जनजाति अंचल के आदिवासी पशुपालकों के लिए शुक्रवार का दिन कुछ खास ही रहा जब उन्हें केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर की ओर से भेड़ व बकरी उत्पादन के माध्यम से आजीविका में सुधार की दृष्टि से बकरों और मेड़ों का निःशुल्क वितरण किया गया। जनजाति उपयोजना क्षेत्र के लिए खास तौर पर इस परियोजना के तहत जिले के सागवाड़ा उपखण्ड क्षेत्र के अंबाड़ा गांव में 39 काश्तकारों को बकरों व मेड़ों का वितरण किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एम.के.नकवी ने परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि जनजाति अंचल की आवश्यकताओं को देखते हुए इस परियोजना के तहत पशुओं की नस्ल के सुधार में सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने इस अंचल में इस प्रकार के कार्यों की अपार संभावनाएं भी बताई और कहा कि एक्सपोजर विजीट के माध्यम से भी यहां के पशुपालकों को पशुपालन की उन्नत प्रविधियों के बारे में जानकारी प्रदान करने की भी योजना है।

बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर सुरेन्द्र कुमार सोलंकी ने कहा कि आदिवासी अंचल के पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन के आधार के रूप में इस परियोजना से पशुओं की नस्ल सुधार का प्रयास किया जा रहा है और इसका दूरगामी परिणाम बेहतर

(शेष पृष्ठ पांच पर)

गरीब पशुपालकों के लिए वरदान है परियोजनाः कटारा

आज सुबह अंबाड़ा गांव में आयोजित हुए समारोह की मुख्य अतिथि सागवाड़ा विधायक श्रीमती अनिता कटारा ने अपने संबोधन में कहा कि यह परियोजना आदिवासी अंचल के गरीब पशुपालकों के लिए वरदान है और इसके माध्यम से पशुपालक आजीविका को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के काश्तकारों को इस प्रकार की परियोजना के माध्यम से लाभांवित करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार गरीब काश्तकारों व पशुपालकों के उत्थान का प्रयास कर रही है ऐसे में ग्रामीणों को चाहिए कि वे इस प्रकार के प्रयासों का पूरा-पूरा लाभ उठावें व क्षेत्रीय विकास की सरकार की मंशा को पूरा करें। उन्होंने मौजूद ग्रामीणों को राज्य सरकार की विभिन्न लोकहितकारी योजनाओं की भी जानकारी दी और इसका लाभ उठाने का आह्वान किया।

होंगे। उन्होंने संस्थान के माध्यम से भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों से इस अंचल की जनता को अधिकाधिक लाभ दिलाने का आह्वान किया। इस मौके पर सागवाड़ा उपखण्ड अधिकारी गोपालसिंह शेखावत, गलियाकोट विकास अधिकारी राजूराम, जिला परिषद सदस्य गिरीश पाटीदार, समाजसेवी कमलकिशोर व्यास, रमेशचंद्र, प्रताप बलाई आदि बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन थे। समारोह का संचालन डॉ. रूपचंद एवं एस.एल सिसोदिया ने किया।

वाग्देवी सरस्वती की छवि के सम्मुख दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से प्रारंभ हुए समारोह में अतिथियों ने लॉटरी के माध्यम से 10 आदिवासी पशुपालकों को बकरे, 19 पशुपालकों को मेड़े व 10 विधवा पशुपालकों को मेड़ों का वितरण किया। समारोह में 200 पशुपालकों को मेडिकल किट, 250 को मिनरल मिक्सचर, 50-50 किलो दाने और फलदार पौधों का भी वितरण किया गया। समारोह में अतिथियों ने फलदार पौधों का रोपण भी किया।

गलियाकोट। आदिवासी कृषक गोष्ठी में उत्तम नस्ल के भेड़-बकरों का वितरण, साथ में पौधरोपण करते करते विधायक व जिला कलक्टर। -दिलीप शर्मा

उत्तम नस्ल के भेड़-बकरी से अपनी घर की आर्थिक आय बढ़ाएं

कार्यक्रम में भेड़, बकरा एवं मिनी किट का किया वितरण

न्यूज सर्विस/नवज्योति, गलियाकोट

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद केन्द्रीय भेड़एवं अनुसंधान अविकानगर मालपुरा द्वारा आदिवासी कृषक गोष्ठी में उत्तम नस्ल का भेढ़ तथा बकरों का वितरण .समारोह गलियाकोट पंचायत समिति के अम्बाडा में विधायक अनिता कटारा एवं जिला कलक्टर सुरेन्द्र कुमार सोलंकी के सांनिध्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अनिता कटारा ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की लाभकारी जन कल्याणकारी योजनाओं का कृषक लाभ लें। सरकार मकान, पशुपालन ,घरेलू लाईट, शौचालय, पशुघर आदि सुविधाओं पर निःशुल्क योजना लागू कर रही है और भी कई लाभकारी योजना से आप आर्थिक रूप से मजबूत होंगे।

जिला कलक्टर सोलंकी ने कहा कि जनजाति क्षेत्र में विकास के लिए केन्द्र व राज्य सरकार कई योजना चलाई जा रही उसके तहत उत्तम किस्म के बकरे व मेढ़ का वितरण किया गया है। कृषक की आमदनी बढाने के लिए पशुओं की संख्या बढ़ जाये, जिससे पशुपालक को अधिक से अधिक लाभ मिले और आर्थिक आय बढे।

अनूसंधान संधान के अधिकारी डॉ. एन एच लखानी ने बताया कि दक्षिणी जिले में भेड़ व बकरा वितरण कर आदिवासी किसान भाई की आजीविका बढाएं और देश के विकास की मुख्य धारा से जुड़े। आदिवासी कृषक गोष्ठी में भेड़ तथा बकरों का वितरण करने के बाद विधायक सागवाडा व जिला कलेकटर सोलंकी ने वृक्षारोपण किया ।

इस अवसर पर सरपंच वर्षा परमार, मण्डल अध्यक्ष प्रताप बलाई, डॉ. एस एल सुसोदिया ,डां धरमवीरसिंह, सचिव हितेन्द्र भावसार सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

SRM

सिटीजन . 06 rajasthanpatrika.com राजस्थान पत्रिका . बांसवाड़ा. शनिवार. 17.09.2016

पशुपालकों को मिली सौगात

ओबरी. पशुपालन विभाग के कार्यक्रम को सम्बोधित करती विधायक।

ओबरी. केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर की ओर से भेड़ व बकरी उत्पादन के माध्यम से आजीविका में सुधार के उद्देश्य से अम्बाड़ा गांव में लॉटरी निकाल कर बकरों और मेढ़ों का वितरण किया। मुख्य अतिथि विधायक अनिता कटारा ने परियोजना को पशुपालकों के लिए वरदान बताया। अध्यक्षता कर निदेशक डा. एसएमके नकवी ने परियोजना की जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि कलक्टर सुरेन्द्र कुमार सोलंकी ने कहा कि पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन के आधार के रूप में परियोजना से पशुओं की नस्ल सुधार का प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर एसडीएम गोपालसिंह शेखावत, गलियाकोट विकास अधिकारी राजूराम, गिरीश पाटीदार, सरपंच वर्षा परमार, कमलकिशोर व्यास, रमेशचंद्र कलाल, प्रताप बलाई आदि मंचासीन थे। संचालन डा. रूपचंद एवं एस.एल सिसोदिया ने किया। अतिथियों ने दस आदिवासी पशुपालकों को बकरे, 19 पशुपालकों को भेड़ें व दस विधवा पशुपालकों को भेड़ों का वितरण किया। 200 पशुपालकों को मेडिकल किट, 250 को मिनरल मिक्सचर, 50-50 किलो दाने और फलदार पौधों का भी वितरण किया।

खास खबर
हर खबर खास खबर
हिन्दी | English

आदिवासी पशुपालकों को मिली सौगात

Published : शुक्रवार, 16 सितम्बर 2016, 11:23 PM (IST)

Aboriginal stockmen received gift - I

डूंगरपुर। जनजाति अंचल के आदिवासी काश्तकारों के लिए शुक्रवार का दिन कुछ खास रहा। इस दौरान उन्हें केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर की ओर से भेड़ व बकरी उत्पादन के तहत बकरों और भेड़ का निःशुल्क वितरण किया गया। जिससे उनकी आजीविका में सुधार हो सके। इस परियोजना के तहत सागवाड़ा उपखण्ड क्षेत्र के अंबाड़ा गांव में 39 काश्तकारों को बकरे व मेड़ों का वितरण किया गया। इस मौके पर सागवाड़ा विधायक अनिता कटारा भी मौजूद थी।

प्रेसनोट डाट इन

अंबाड़ा के आदिवासी पशुपालकों को मिली सौगात

(784 बार पढ़ी गयी)

Published on : 16 Sep, 16 18:09

डूंगरपुर /जनजाति अंचल के आदिवासी पशुपालकों के लिए शुक्रवार का दिन कुछ खास ही रहा जब उन्हें केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर की ओर से भेड़ व बकरी उत्पादन के माध्यम से आजीविका में सुधार की दृष्टि से बकरों और मेड़ों का निःशुल्क वितरण किया गया। जनजाति उपयोजना क्षेत्र के लिए खास तौर पर इस परियोजना के तहत जिले के सागवाड़ा उपखण्ड क्षेत्र के अंबाड़ा गांव में 39 काश्तकारों को बकरों व मेड़ों का वितरण किया गया।

गरीब पशुपालकों के लिए वरदान है परियोजना: कटारा

आज सुबह अंबाड़ा गांव में आयोजित हुए समारोह की मुख्य अतिथि सागवाड़ा विधायक श्रीमती अनिता कटारा ने अपने संबोधन में कहा कि यह परियोजना आदिवासी अंचल के गरीब पशुपालकों के लिए वरदान है और इसके माध्यम से पशुपालक आजीविका को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के काश्तकारों को इस प्रकार की परियोजना के माध्यम से लाभांवित करते हुए केन्द्र व राज्य सरकार गरीब काश्तकारों व पशुपालकों के उत्थान का प्रयास कर रही है ऐसे में ग्रामीणों को चाहिए कि वे इस प्रकार के प्रयासों का पूरा-पूरा लाभ उठावें व क्षेत्रीय विकास की सरकार की मंशा को पूरा करें। उन्होंने मौजूद ग्रामीणों को राज्य सरकार की विभिन्न लोकहितकारी योजनाओं की भी जानकारी दी और इसका लाभ उठाने का आह्वान किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. एस.एम.के.नकवी ने परियोजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि जनजाति अंचल की आवश्यकताओं को देखते हुए इस परियोजना के तहत पशुओं की नस्ल के सुधार में सहयोग दिया जा रहा है। उन्होंने इस अंचल में इस प्रकार के कार्यों की अपार संभावनाएं भी बताई और कहा कि एक्सपोजर विजीट के माध्यम से भी यहां के पशुपालकों को पशुपालन की उन्नत प्रविधियों के बारे में जानकारी प्रदान करने की भी योजना है।

बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह को संबोधित करते हुए जिला कलक्टर सुरेन्द्र कुमार सोलंकी ने कहा कि आदिवासी अंचल के पशुपालकों के आर्थिक स्वावलंबन के आधार के रूप में इस परियोजना से पशुओं की नस्ल सुधार का प्रयास किया जा रहा है और इसका दूरगामी परिणाम बेहतर होंगे। उन्होंने संस्थान के माध्यम से भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों से इस अंचल की जनता को अधिकाधिक लाभ दिलाने का आह्वान किया।

इस मौके पर सागवाड़ा उपखण्ड अधिकारी गोपालसिंह शेखावत, गलियाकोट विकास अधिकारी राजूराम, जिला परिषद सदस्य गिरीश पाटीदार, समाजसेवी कमलकिशोर व्यास, रमेशचंद्र, प्रताप बलाई आदि बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन थे। समारोह का संचालन डॉ. रूपचंद एवं एस.एल सिसोदिया ने किया।

लॉटरी के माध्यम से मिली सौगात:

वाग्देवी सरस्वती की छवि के सम्मुख दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण से प्रारंभ हुए समारोह में अतिथियों ने लॉटरी के माध्यम से 10 आदिवासी पशुपालकों को बकरे, 19 पशुपालकों को मेड़े व 10 विधवा पशुपालकों को मेड़ों का वितरण किया। समारोह में 200 पशुपालकों को मेडिकल किट, 250 को मिनरल मिक्सचर, 50-50 किलो दाने और फलदार पौधों का भी वितरण किया गया। समारोह में अतिथियों ने फलदार पौधों का रोपण भी किया।

अंबाड़ा में आजीविका संवर्धन के लिए पशुओं का निःशुल्क वितरण किया

Bhaskar News Network | Sep 17, 2016, 07:10 AM IST

Comments

गलियाकोट। केन्द्रीयभेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर की ओर से भेड़ बकरी उत्पादन के माध्यम से आजीविका में सुधार की दृष्टि से बकरों और मेड़ों का निःशुल्क वितरण किया गया। सागवाड़ा उपखंड क्षेत्र के अंबाड़ा गांव में 39 काश्तकारों को बकरों मेड़ों का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि सागवाड़ा विधायक अनिता कटारा थी। अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. एसएम के नकवी ने परियोजना के बारे में जानकारी दी। विशिष्ट अतिथि कलेक्टर सुरेंद्र कुमार सोलंकी थे। इस मौके पर सागवाड़ा उपखण्ड अधिकारी गोपालसिंह शेखावत, गलियाकोट विकास अधिकारी राजूराम, जिला परिषद सदस्य गिरीश पाटीदार, समाजसेवी कमलकिशोर व्यास, रमेशचंद्र, प्रताप बलाई आदि बतौर विशिष्ट अतिथि मंचासीन थे। संचालन डॉ. रूपचंद एवं एस एल सिसोदिया ने किया।

अतिथियों ने लॉटरी के माध्यम से 10 आदिवासी पशुपालकों को बकरे, 19 पशुपालकों को भेड़े 10 विधवा पशुपालकों को मेड़ों का वितरण किया। समारोह में 200 पशुपालकों को मेडिकल किट, 250 को मिनरल मिक्सचर, 50-50 किलो दाने और फलदार पौधों का भी वितरण किया गया।